महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
MAHATMA JYOTIBA PHULE ROHILKHAND UNIVERSITY, BAREILLY

पत्रांकःरू.वि. / गोप. / प्रयो.मौ. / 2020–21 / दिनांकः–09 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्राचार्य / प्राचार्या
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय
एम.जे.पी.रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

विषयः– प्रयोगात्मक / मौखिक परीक्षा 2020–21 सम्पन्न कराने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

वर्ष 2020–21 की मुख्य परीक्षा द्वितीय एवं तृतीय वर्ष एवं सेमेस्टर / प्रोफेशनल 2019–20 की प्रयोगात्मक / मौखिक परीक्षायें सम्पन्न करायी जानी है। कोविद–19 के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशानुसार प्रयोगात्मक / मौखिक परीक्षायें कराये जाने हेतु विस्तृत गाइडलाइन जारी की जा रही है।

संलग्न गाइडलाइन के अनुसार उपरोक्त कक्षाओं की प्रयोगात्मक / मौखिक परीक्षायें सम्पन्न कराने का कष्ट करें तथा अंक ऑनलाइन पोर्टल पर लिखित परीक्षा समाप्ति के एक घण्टे पश्चात से 48 घण्टे का समय (24 घण्टे का समय छात्र हेतु एवं 24 घण्टे का समय महाविद्यालय के मूल्यॉकन एवं अंक अपलोड करने हेतु) प्रदान किया जायेगा उसके उपरान्त साइट बन्द कर दी जायेगी।

संलग्न–यथोपरि।

परीक्षा नियंत्रक

प्रतिलिपि–

1. सहायक कुलसचिव (परीक्षा / प्रशासन)।
2. श्री रविन्द्र गौतम को विश्वविद्यालय की वेवसाइट पर अपलोड करने हेतु।
3. निजी सचिव कुलपति, कुलपति महोदय के संज्ञानार्थ प्रेषित।
4. वयैक्तिक सहायक, कुलसचिव, कुलसचिव जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
5. प्रशासनिक अधिकारी (गोपनीय / परीक्षा)।

परीक्षा नियंत्रक

महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली
Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly

द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में असाइनमेंट के माध्यम से प्रयोगात्मक परीक्षाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया का निर्धारण :-

1. प्रयोगात्मक परीक्षाओं हेतु निर्धारित कुल अंकों में से 30% अंक महाविद्यालय द्वारा प्रयोगशाला रिकॉर्ड, उपस्थिति आदि के आधार पर दिए जाएंगे।
2. शेष 70% अंक ओपन बुक सिस्टम के पैटर्न पर आयोजित किए जाने वाले असाइनमेंट के आधार पर दिए जाएंगे।
3. प्रत्येक प्रायोगिक विषय हेतु वृहद विचारोपरांत असाइनमेंट के लिए एक मॉडल टेम्पलेट तैयार किया गया है और प्रयोगशाला परीक्षा के विकल्प के रूप में महाविद्यालय द्वारा उसी टेम्पलेट पर आधारित छात्र/छात्राओं को एक असाइनमेंट देकर उसका उचित मूल्यांकन किया जाना है। असाइनमेंट में नियमित प्रयोगशाला में छात्रों द्वारा किए गए पाठ्यक्रम और प्रयोगों के आधार पर तीस होम असाइनमेंट टास्क होंगे, उक्त असाइनमेंट दो भागों में विभाजित होगा
   भाग "ए" और भाग "बी"। दोनों भागों में प्रत्येक में 15 टास्क होंगे। भाग ए के 15 टास्क को कॉलेज द्वारा तैयार किया जाना है जबकि भाग बी के 15 टास्क को छात्र/छात्राओं द्वारा स्वयं तैयार कर एवं उनका उत्तर भी छात्र/छात्रा द्वारा स्वयं लिखा जाना है । भाग ए और भाग बी में प्रत्येक टास्क के अंक बिंदु संख्या 14 पर दिए गए निर्देशों के अनुसार निर्धारित किये जायेंगे । इस पूरी प्रक्रिया का मूल उद्देश्य यह है कि असाइनमेंट को पूर्ण करते समय छात्र पूरे पाठ्यक्रम से अवगत हो जाए एवं यह उनके लिए अपने विषय ज्ञान को उन्नत करने के लिए हितकारी हो।
4. असाइनमेंट का टेम्पलेट महाविद्यालयों को उपलब्ध कराया जाएगा।
5. महाविद्यालय, महाविद्यालय स्तर पर ही टेम्पलेट के अनुसार एक असाइनमेंट टास्क तैयार करेगा, छात्र/छात्राओं की संख्या के अनुसार पर्याप्त प्रतियाँ तैयार करेगा और कोविड प्रोटोकॉल का

पालन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई समय-सारणी के अनुसार छात्र/छात्राओं को ऑनलाइन/ऑफलाइन उपलब्ध कराएगा।

6. छात्रों को उपरोक्त असाइनमेंट अपने स्वयं के ए-4 साइज की शीट के पहले पृष्ठ पर स्पष्ट रूप से अपना नाम, रोल नंबर के साथ-साथ महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए असाइनमेंट टास्क पर स्पष्ट रूप से अंकित करते हुए पूर्ण करना होगा । महाविद्यालय द्वारा छात्रों को केवल भाग -ए के असाइनमेंट टास्क उपलब्ध कराये जायेंगे । विश्वविद्यालय / महाविद्यालय द्वारा छात्रों को कोई उत्तर पुस्तिका उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

7. छात्रों को भाग बी के टास्क को तैयार करने के लिए, दोनों भागों ए एवं बी के असाइनमेंट टास्क को पूर्ण करने और असाइनमेंट टास्क के साथ विधिवत पूर्ण असाइनमेंट महाविद्यालय को वापस जमा करने के लिए 24 घंटे का समय दिया जाएगा। असाइनमेंट स्वयं छात्र / छात्रा द्वारा हस्तलिखित होना चाहिए।

8. छात्र/छात्राओं द्वारा असाइनमेंट महाविद्यालय में जमा करने के पश्चात 24 घंटे के भीतर महाविद्यालय द्वारा असाइनमेंट का मूल्यांकन किया जाएगा।

9. प्रत्येक विषय की समय सारिणी के अनुसार छात्रों द्वारा असाइनमेंट जमा करने के पश्चात, बिंदु संख्या 1 और 2 के अनुसार दिए गए कुल अंक महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 24 घंटे के भीतर अपलोड किए जाने हैं। इस सम्बन्ध में यह सूचित करना है कि कि संबंधित प्रयोगात्मक विषयों की समय सारिणी के अनुसार अंक अपलोड करने के लिए विश्वविद्यालय पोर्टल खोला जाएगा और 24 घंटे के पश्चात तुरंत बंद कर दिया जाएगा।

10. कॉलेज नीचे दिए गए विवरण के अनुसार छात्रों का रिकॉर्ड बनाए रखेगा:

क्रमांक	छात्र का नाम	रोल नंबर	विषय	छात्र के हस्ताक्षर

शिक्षक के नाम सहित हस्ताक्षर

प्रधान/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर

11. प्रयोगात्मक विषयों में अवार्ड किये गए अंकों को 24 घंटे के अंदर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड करना होगा। अंक प्रदान करने का पैटर्न नीचे दिए गए विवरण के अनुसार होगा:

क्रमांक	छात्र का नाम	रोल नंबर	फाइलों/रिकॉर्ड/उपस्थिति आदि के आधार पर 30% अंक	असाइनमेंट के आधार पर 70% अंक	कुल अंक

शिक्षक के नाम सहित हस्ताक्षर

प्रधान/प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर

12. यदि आवश्यक हुआ तो सत्यापन/मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा असाइनमेंट टास्क एवं पूर्ण असाइनमेंट विश्वविद्यालय द्वारा नामित विशेषज्ञों से प्रतिपरीक्षण (Cross-check) कराया जा सकता है अथवा विश्वविद्यालय में मंगवाए जा सकते हैं ।

13. छात्रों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया जाना चाहिए कि उन्हें अपनी भाषा में ही उत्तर लिखना है। यदि उत्तरपुस्तिकाओं में भाषा के आधार पर उत्तर की नकल या अन्यथा समानता पाई जाती है, तो मूल्यांकन के दौरान महाविद्यालय द्वारा इस तथ्य को दृष्टिगत रखकर ही मूल्यांकन किया जाये ।

14. असाइनमेंट टास्क का पैटर्न नीचे दिए गए विवरण के अनुसार होगा:

(i) प्रत्येक प्रायोगिक विषय के असाइनमेंट में तीस असाइनमेंट टास्क होंगे।

(ii) असाइनमेंट टास्क संबंधित प्रयोगों (पाठ्यक्रम के अनुसार) के सिद्धांतों, उद्देश्य, क्रियाविधि, सावधानियों, viva आदि एवं पाठ्यक्रम में उस विषय के प्रयोगों पर आधारित होंगे।

(iii) तीस असाइनमेंट टास्क में से, पंद्रह टास्क (भाग ए) महाविद्यालय द्वारा छात्रों को प्रदान किए जाएंगे और शेष पंद्रह टास्क (भाग बी) पूरे पाठ्यक्रम से स्वयं छात्र द्वारा तैयार किए जाने हैं एवं उनका उत्तर भी छात्र/छात्रा द्वारा स्वयं लिखा जाना है । महाविद्यालय न केवल टास्क की गुणवत्ता और मानक का ध्यान रखेंगे जो वे तैयार करेंगे वरन छात्रों को उन टास्क को तैयार करने का निर्देश देंगे जिनकी गुणवत्ता और स्थिति कॉलेज द्वारा प्रदान किए गए टास्क के समतुल्य परन्तु भिन्न हो ।

(iv) प्रत्येक भाग में पंद्रह असाइनमेंट टास्क को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उप-विभाजित किया जा सकता है:

(ए) एमसीक्यू पर आधारित 5 टास्क

(बी) एक पंक्ति के उत्तर पर आधारित 5 टास्क

(सी) 2-4 लाइन के उत्तरों पर आधारित 5 टास्क

(v) अंकों का निर्धारण निम्नवत होगा: -

उदाहरण-1 : - यदि किसी प्रयोगात्मक विषय के अधिकतम अंक 100 निर्धारित है तो असाइनमेंट हेतु निर्धारित 70 % के अनुसार असाइनमेन्ट के लिए अधिकतम अंक 70 होंगे।

भाग - ए: एमसीक्यू पर आधारित 5 टास्क -1 अंक प्रति टास्क (कुल 5 अंक)

एक पंक्ति के उत्तर पर आधारित 5 टास्क-2 अंक प्रति टास्क (कुल 10 अंक)

2-4 लाइन के उत्तरों पर आधारित 5 टास्क -4 अंक प्रति टास्क (कुल 20 अंक)

भाग - बी: एमसीक्यू पर आधारित 5 टास्क -1 अंक प्रति टास्क (कुल 5 अंक)

एक पंक्ति के उत्तर पर आधारित 5 टास्क-2 अंक प्रति टास्क (कुल 10 अंक)

2-4 लाइन के उत्तरों पर आधारित 5 टास्क -4 अंक प्रति टास्क (कुल 20 अंक)

अधिकतम अंक-70

उदाहरण-2 : - यदि किसी प्रयोगात्मक विषय के अधिकतम अंक 50 निर्धारित है तो असाइनमेंट हेतु निर्धारित 70 % के अनुसार असाइनमेन्ट के लिए अधिकतम अंक 35 होंगे।

भाग -ए: एमसीक्यू पर आधारित 5 टास्क: 0.5 अंक प्रति टास्क (कुल 2.5 अंक)

एक पंक्ति के उत्तर पर आधारित 5 टास्क: 1 अंक प्रति टास्क (कुल 5 अंक)

2-4 लाइन के उत्तरों पर आधारित 5 टास्क: 2 अंक प्रति टास्क (कुल 10 अंक)

भाग -बी: एमसीक्यू पर आधारित 5 टास्क: 0.5 अंक प्रति टास्क (कुल 2.5 अंक)

एक पंक्ति के उत्तर पर आधारित 5 टास्क-1 अंक प्रति टास्क (कुल 5 अंक)

2-4 लाइन के उत्तरों पर आधारित 5 टास्क -2 अंक प्रति टास्क (कुल 10 अंक)

अधिकतम अंक-35

यदि किसी विषय में प्रयोगात्मक विषय हेतु कोई अन्य अधिकतम अंक निर्धारित है तो अंको का निर्धारण उदाहरण में दिए गए अनुपात के अनुरूप ही निर्धारित किया जायेगा।

नोट:- टास्क का तात्पर्य असाइनमेंट में पूछे गए प्रश्नो से है।